(लाख रुपये में)

	दुर्घटनाओं की संख्या				मृत यात्रियों की संख्या				क्षति की लागत			
	1990	1991	1992	1993	1990	1991	1992	1993	1990	1991	1992	1993
मध्य	49	51	58	50	3	3	22	13	740.5	199.8	899.6	1507.5
पूर्व	59	61	56	45	97	7	6	2	464.9	369.2	582.5	538.4
उत्तर	60	55	61	70	—	53	10	4	2199.8	309.8	38.3	454.2
पूर्वोत्तर	28	20	37	32	—	2	—	40	32.7	17.1	96.5	89.1
पूर्वोत्तर सीमा	49	49	49	42	12	3	20	—	142.9	25.1	17.1	412.9
दक्षिण	78	89	52	54	—	29	1	21	119.7	136.8	254.1	347.7
दक्षिण मध्य	59	62	57	58	81	18	23	—	626.5	558.0	467.9	690.2
दक्षिण पूर्व	111	85	94	105	—	—	40	25	554.9	441.7	1332.4	2624.7
पश्चिम	52	53	53	58	7	—	1	78	384	130	228	607

गाड़ी दुर्घटनाओं में मारे गये प्रत्येक यात्री के निकट संबंधियों को 30.6.1990 तक 1,00,000 रुपये तथा 1.7.1990 के बाद से प्रत्येक दावेदार को 2,00,000/- रुपये के मुआवजे का भुगतान किया गया है।

प्रत्येक दुर्घटना की जांच या तो रेल संरक्षा आयुक्त या विभागीय/अंतर्विभागीय जांच समिति द्वारा की जाती है। ये जांच समितियां सामान्यतः अपनी रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत कर देती हैं।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों तथा इससे सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जांच समितियों की सिफारिशों के आधार पर नए उपाय अपनाये जाते हैं। गतायु संपत्तियों जैसे रेलपथ, पुल, चल-स्टाक आदि के नवीकरण और बहाली सहित ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। सिगनलिंग और दूर-संचार गियरों, मालडिब्बों और रेल-इंजनों के अनुरक्षण डिपुओं और कारखानों से तैयार होकर निकलने वाले उत्पादन की गुणवत्ता की जांच के लिए गहन निरीक्षण किए जाते हैं। टूट-फूट का पता लगाने के लिए रेल पटरियों और धुरों की अल्टरासोनिक जांच की जाती है। परिचालनिक कोटियों के कर्मचारियों को गहन प्रशिक्षण दिया जाता है और उनके कार्य-निष्पादन पर निरंतर नजर रखी जाती है। ड्राइवरों को उनकी चालन संबंधी तकनीकों के बारे में सलाह-मशविरा दिया जाता है और उनके काम पर नजर भी रखी जाती है।

Railway Projects running behind schedule

392. SHRI SUKOMAL SEN:
SHRI E. BALANANDAN:

Will the MINISTER OF RAILWAYS be pelased to state;

(a) whether it is a fact that a large number of railway projects are running behind schedule;

(b) if so, what are the details thereof, project wise;

(c) what are the reasons for such delay and the persons responsible for the same; and

(d) the steps taken by Government to complete these projects?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) Information is being collected and will be laid on the table of the Sabha.

दिल्ली और औरंगाबाद के बीच रेलगाड़ी चलाया जाना

393. **श्री विट्ठल राव माधवराव जाधव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए और महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र को उत्तर भारत से जोड़ने के लिए दिल्ली और औरंगाबाद के बीच रेलगाडी चलाने

पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) परिचालनिक कठिनाइयों तथा संसाधनों की तंगी के कारण।

Privatisation of Railway Stations

394. SHRI KAILASH NARAIN SARANG: Will the MINISTER OF RAILWAYS be pleased to state;

(a) what are the names of railway stations in the country that have been privatised or partly privatised;

(b) what is the yearly profit to Government by Privatisation and in what manner Government consider this arrangement right;

(c) whether Government are .onsidering to privatise or partly privatise some new railway stations also; if so what are the names thereof; and

(d) what are the powers of Government under privatisation or partly privatisation arrangements and what are the powers of the authority under whose supervision raiwlay station operates?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA): (a) to (c) Railways have been asked to identify stations which they would like to take up on the lines of Bandra experiment. The following stations have been taken up for beautification-cum-maintenance in lieu of sole advertisement rights;

Western Railways: Bandra, Dadar, Khar, Andheri, South Eastern Railway; Kharagpur.

This has resulted in better maintenance and beautification of the stations besides substantial increase in earnings from Commercial publicity, as also in substantial savings on the maintenance of stations. The information as to income from rights from commercial advertisements is being collected.

(d) All powers rest with the Railways and the Contractors are given powers for sole advertisement rights on the stations.

कलैण्डरों को छपवाने पर किया गया व्यय

395. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994 के लिए रेलवे विभाग द्वारा प्रकाशित कलैण्डरों पर सरकार की कितनी धनराशि खर्च हुई है;

(ख) क्या इन कलैण्डरों में कुछ संशोधन किया गया था;

(ग) क्या देश के नागरिकों या संस्थानों द्वारा सरकार का ध्यान इन कलैण्डरों में पायी गयी कमियों की ओर दिलाया गया है यानि राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से इनमें कमियां हैं, यदि हां, तो ये कमियां क्या थीं और उन्हें किस प्रकार दूर किया गया था; और

(घ) इन कमियों को दूर करने या कलैण्डरों में संशोधन करने में सरकार की कितनी अतिरिक्त धनराशि खर्च हुई?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) से (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Coaches in Trains Functioning under Western Railway

396. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:
SHRI O. RAJAGOPAL:

Will the MINISTER OF RAILWAYS be pleased to state;

(a) what are the names of the trains under Western Railway in which arrangements for adding at least ten coaches have not been made so far;

(b) whether it has been made